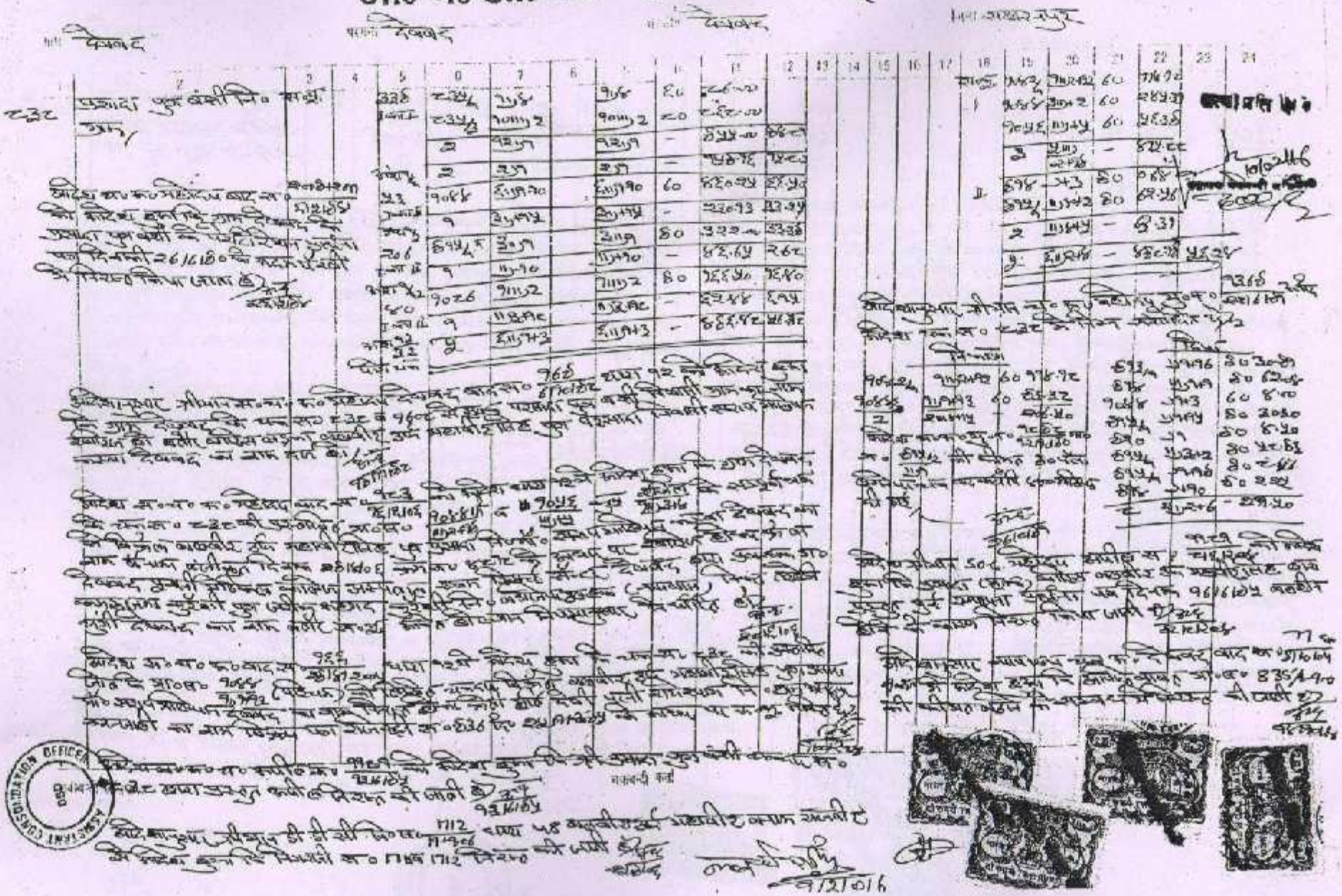जी0 च0 आ0 पत्र – 23 भाग – I उद्धरण